सनातनधर्म-आदर्शसंस्कृतमहाविद्यालयः
डोहगी, ऊना (हिमाचलप्रदेशः)

भारतसर्वकारस्य शिक्षामन्त्रालयस्य योजनाधीनः,
नवदेहलीस्थ-केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयेन सम्बद्धः

Website : http://sdasm.in/ Email: asmvdohgi1928@gmail.com

संस्कृतसम्भाषणशिबिरायोजनम्
27.7.2026 आरभ्य 07.8.2026 पर्यन्तम्

प्रतिवेदनम्

महाविद्यालयद्वारा नवागतेभ्यः विद्यार्थिभ्यः संस्कृतभारतीसाहाय्येन 27.7.2026 दिनाङ्कात् 07.08.2026 पर्यन्तं दशदिवसीययोः द्वयोः 'संस्कृतसम्भाषणशिबिरयोः' आयोजनं विहितम्। प्रधानतया संस्कृतसम्भाषणशिबिरस्योद्देश्यं नवप्रविष्टानां छात्रामां संस्कृतसम्भाषणे दक्षतासम्पादनमासीत्। प्राचार्याणां प्रो. लालसिंहपठानियावर्याणां वरिष्ठाचार्याणां डा. केदारदत्तपुरोहिवर्याणां च संरक्षणे ज्योतिषविभागीयाप्राध्यापकस्य डा. मुकेशकुमारशर्मणः समन्वयने ज्योतिषविभागीया अतिथिप्राध्यापिका डा. अरुणा देवी अनयोः शिबिरयोः संयोजनदायित्वं निरूढवती।

संस्कृतभारतीपक्षतः विस्तारिके सुश्री ललिता, सुश्री हितेश्वरी च शिक्षिकारूपेण शिबिरचालनम् अकुरुताम्। महाविद्यालयस्य शिबिरचालने दक्षौ छात्रौ सुश्री नेहा श्री यशजशर्मा च सहशिक्षकत्वेन शिबिरे भागं गृहीतवन्तौ। 07.08.2026 तमे दिनाङ्के प्रवृत्ते सम्पूर्तिसत्रे महाविद्यालयस्य व्याकरणविभागस्य सहाचार्यः डॉ. केदारदत्तपुरोहितः आध्यक्ष्यं निरूढवान्। स्वकीये अध्यक्षीयोद्बोधने सः अवदत् यत् संस्कृतं केवलम् प्राचीना भाषा एव नास्ति अपितु अस्माकं भारतीयज्ञानपरम्परायाः संस्कृतेश्च आधारशिला अस्ति। एतादृशैः शिबिरैः छात्र-छात्राः न केवलं संस्कृतभाषणे समर्थाः

भवन्ति, अपि तु स्वमूलैः सह अपि सम्बद्धाः भवन्ति। अस्य आयोजनस्य कृते सः सहयोगीसंस्थायाः 'संस्कृतभारत्याः' आभारमपि प्राकटयत्। कार्यक्रमस्य मुख्यवक्ता सम्भाषणशिबिरायोजनसमन्वयकः डॉ. मुकेशकुमारः दशदिनानाम् गतिविधिनाम् विवरणं प्रस्तुतवान्।

सम्पूर्तिसत्रे शिबिरार्थिनः संस्कृतसंवादम्, सम्भाषणम्, समूहगीतादिकार्यक्रमान् अपि प्रास्तुवन्। तेषु प्राक्शास्त्रिप्रथमवर्षीया छात्रा श्रुतिशर्मा शास्त्रिप्रथमवर्षीया मुस्कान च शिबिरस्य स्वानुभवान् प्रकटितवत्यौ। अवनीशः तत्सहयोगिनश्च संस्कृतसमूहगीतं तथा संजना एकलगीतं प्रस्तुतवती। शिवानी तत्सख्यश्च संस्कृतसंवादस्य प्रस्तुतिं कृत्वा संस्कृतस्य सरलस्वरूपं प्रादर्शयन्।

कार्यक्रमस्य सञ्चालनं महाविद्यालयस्य शास्त्री-द्वितीयवर्षस्य छात्रया सुश्रिया नेहया अत्यन्तकुशलतया प्रवाहपूर्णसंस्कृतेन कृतम्। कार्यक्रमे शिबिरस्य संयोजिका डॉ. अरुणादेवी सर्वेषामतिथीनाम्, प्राध्यापकानाम्, प्रतिभागीच्छात्राणां च धन्यवादं विज्ञापितवती। कार्यक्रमस्य अध्यक्षः प्रभारिप्राचार्यः डा. केदारदत्तपुरोहितः अस्मिन् शिबिरे प्रशिक्षणदात्रीभ्यां संस्कृतभारत्याः विस्तारिकाभ्यां सुश्रीललितावर्मा-सुश्रीहितेश्वरीशर्माभ्यां महाविद्यालयस्य शिबिरचालकाभ्यां नेहा-यशजाभ्यां महाविद्यालयस्य पक्षतः सम्मानम् अयच्छत। कल्याणमन्त्रेण सम्पूर्तिसत्रमिदं सम्पन्नतामगात्।

चित्रमञ्जूषा

press.com 08, अगस्त, शनिवार, 2026

संस्कृत महाविद्यालय डोहगी में संस्कृत सम्भाषण शिविर संपन्न

चम्बा एक्सप्रेस। बंगाणा

सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय डोहगी गत दस दिनों से चल रहे दस दिवसीय 'संस्कृत सम्भाषण शिविर' का आज समापन हो गया। कार्यक्रम के समन्वयक डा. मुकेश कुमार शर्मा ने बताया कि यह शिविर महाविद्यालय के प्रथम वर्ष में प्रविष्ट नवागन्तुक विद्यार्थियों में संस्कृत भाषा के प्रति रुचि जागृत करने और दैनिक व्यवहार में सहज सम्भाषण सिखाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

महाविद्यालय के प्राचार्य डा. लालसिंह पठानिया ने कार्यक्रम के सफल सञ्चालन के लिए सभी का अभिनन्दन किया। समापन समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय के व्याकरण विभाग के सहाचार्य डॉ. केदारदत्त पुरोहित ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहा कि संस्कृत केवल एक प्राचीन भाषा ही नहीं, बल्कि हमारी भारतीय ज्ञान-परंपरा और संस्कृति की आधारशिला है। इस प्रकार के शिविरों के माध्यम से छात्र-छात्राएं न केवल संस्कृत बोलने में सक्षम होते हैं, बल्कि अपनी जड़ों से भी जुड़ते हैं। इस आयोजन के लिए उन्होंने सहयोगी संस्था संस्कृतभारती का भी आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं सम्भाषण शिविर के समन्वयक डॉ. मुकेश कुमार शर्मा ने दस दिनों की गतिविधियों का ब्योरा प्रस्तुत किया।

पंजाब केसरी SAT,08 AUGUST 2026
EDITION: UNA KESARI, PAGE NO. 2

भारतीय ज्ञान, परंपरा और संस्कृति की आधारशिला है संस्कृत : डा. केदार

बंगाणा, 7 अगस्त (शर्मा): सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय डोहगी में चल रहा संस्कृत संभाषण शिविर शुक्रवार को संपन्न हुआ। कार्यक्रम के समन्वयक डा. मुकेश कुमार शर्मा ने बताया कि महाविद्यालय के प्रथम वर्ष में प्रविष्ट नवागन्तुक विद्यार्थियों में संस्कृत भाषा के प्रति रुचि जागृत करने और दैनिक व्यवहार में सहज संभाषण सिखाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

समापन अवसर पर वरिष्ठ आचार्य डा. केदार दत्त पुरोहित ने कहा कि संस्कृत केवल एक प्राचीन भाषा ही नहीं बल्कि हमारी भारतीय ज्ञान-परंपरा और संस्कृति की आधारशिला है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं संभाषण शिविर के समन्वयक डा. मुकेश कुमार शर्मा ने बताया कि शिविर के दौरान छात्रों को खेल-खेल में, गीतों और अभिनय के माध्यम से व्यावहारिक संस्कृत का अभ्यास करवाया गया।

श्रुति शर्मा व मुस्कान ने शिविर के अपने अनुभवों को सांझा किया। अवनीश व उनके साथियों ने संस्कृत समूह गीत तथा संजना ने एकल गीत की प्रस्तुति दी। शिवानी एवं उनकी सखियों ने संस्कृत संवाद प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन शास्त्री द्वितीय वर्ष की छात्रा नेहा ने किया।

प्राचार्य प्रो. लाल सिंह पठानिया व कार्यक्रम के अध्यक्ष ने शिविर में प्रशिक्षण प्रदान करने वाली संस्कृत भारती की विस्तारिकाओं ललिता वर्मा व हितेश्वरी शर्मा को सम्मानित किया। शिविर की संयोजिका डा. अरुणा देवी ने अतिथियों, प्राध्यापकों और प्रतिभागी छात्रों का धन्यवाद किया।